बुन्देलखंड के सभी जिलों में मिलेट्स के फूड प्लांट जल्द होंगे शुरू

अच्छी खबर

95 लाख रुपये की पैकेजिंग सह विपणन केंद्र की घोषणा

06 जिलों में केंद्रों के माध्यम से मिलेट्स प्रसंस्करण

- मशीनों की हो चुकी खरीद, इंस्टालेशन का काम हुआ शुरू
- इसी माह किसानों को श्री अन्न के बीजों का होगा वितरण

झांसी, संवाददाता।

यदि सब कुछ प्लान के तहत हुआ तो बुन्देलखंड के किसानों की तकदीर बदल जाएगी। किसान आत्मनिर्भर होने के साथ ही मोटे अनाज के उत्पादन में कमाई करेंगे साथ ही फूड प्रोसेसिंग प्लांट तक उनकी पहुंच होगी। उत्पाद तैयार होंगे और पैकिंग बाद देश विदेश के कई हिस्सों में बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। अब बुन्देलखंड के 6 जिलों में फूड प्रोसेसिंग प्लांट जल्द शुरू होंगे। मशीने खरीद ली गई इसी माह श्री अन्न के बीजों का भी किसानों को वितरण होगा।

उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत बुन्देलखंड के 6 जिलों में कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह विपणन केंद्रों के निर्माण का चल रहा काम लगभग पूरा हो गया है।

प्रोसेसिंग प्लांट के लिए मशीनों की खरीद और इंस्टालेशन का काम जल्द शुरू होगा। इसी महीने किसानों को श्री अन्य आधारित बीजों का वितरण किया जाएगा। झांसी, बांदा, ललितपुर, महोबा, जालौन और हमीरपुर ज़िलों में प्रोसेसिंग प्लांट के निर्माण का काम पिछले वर्ष नवंबर और दिसंबर के महीने में शुरू हुआ था।

प्रदेश सरकार ने प्रत्येक मिलेट्स प्रसंस्करण, पैकेजिंग सह विपणन केंद्र की स्थापना के लिए 95 लाख रुपये खर्च करने की घोषणा की है। मिलेट्स प्रोसेसिंग केंद्रों की स्थापना का उद्देश्य श्री अन्न की खेती को बढ़ावा देना, प्रोसेसिंग करना और उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने में मदद प्रदान करना है। प्रोसेसिंग केंद्रों पर अत्याधुनिक प्रोसेसिंग मशीनों को लगाने की प्रक्रिया शुरू हो रही है, जिससे मोटे अनाज की बेहतरीन प्रोसेसिंग और पैकेजिंग की जाएगी। बुन्देलखण्ड की जलवायु के अनुकूल मोटे अनाजों को उगाने के लिए किसानों को इस महीने बीज उपलब्ध कराए जाएंगे।

उपज तैयार हो जाने पर इन केंद्रों पर इसकी प्रोसेसिंग की जाएगी। कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से किसानों को इसके लिए प्रेरित किया जा रहा है। बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ एन के बाजपेयी ने बताया कि झांसी, ललितपुर, जालौन, महोबा, बांदा और हमीरपुर में बन रहे श्री अन्न आधारित प्रोसेसिंग प्लांट का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

अब मशीनों की खरीद और इंस्टालेशन का काम जल्द शुरू हो जाएगा।

इस महीने किसानों को बीज प्रदान किया जाएगा। इससे तैयार होने वाली उपज को इस केंद्रों में प्रोसेस किया जाएगा।